**980514 - B2**

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

# Class - IX
# कक्षा - IX

## HINDI
## हिन्दी

## (Course B)
## ( पाठ्यक्रम ब )

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है। इस अवधि के दौरान छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

**निर्देश :**

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

## खंड 'क'

**1.** अपठित गद्यांश **5**

प्रत्येक राष्ट्र की अपनी एक सांस्कृतिक धरोहर होती है जिसके बल पर वह प्रगति के पथ पर अग्रसर होता रहता है। मानव युग - युग से अपने जीवन को अधिक सुखमय, उपयोगी - शांतिमय एवं आनंदपूर्ण बनाने का प्रयास करता रहा है । इस प्रयास का आधार वह सांस्कृतिक धरोहर होती है जो प्रत्येक मानव को विरासत के रुप में मिलती है और इस प्रयास के बल पर वह मानव अपना विकास करता है। यह विकास का क्रम बिना सांस्कृतिक आधार के संभव नहीं होता। कुछ लोग सभ्यता और संस्कृति को एक ही अर्थ में लेते हैं। यह उनकी भूल है। वैसे तो संस्कृति एवं सभ्यता में अटूट संबंध है किंतु संस्कृति जीवन को श्रेष्ठ और उन्नत बनाने की साधनाओं का नाम है और सभ्यता उन साधनाओं के फलस्वरुप उपलब्ध हुई जीवन प्रणाली का नाम है ।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प चुनकर दीजिए -

(i) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है **1**

(क) राष्ट्र (ख) संस्कृति एवं सभ्यता

(ग) जीवन प्रणाली (घ) जीवन - साधना

(ii) मानव का प्रयास रहता है कि वह - **1**

(क) सुखमय और आनंदपूर्ण जीवन बिताए (ख) सदा धन कमातो रहे

(ग) उसे सम्मान मिलता रहे (घ) अनुसंघान में लगा रहे

(iii) मनुष्य अपना अधिकाधिक विकास कर सकता है **1**

(क) पराश्रित बनकर (ख) परिश्रमी बनकर

(ग) अर्थोपार्जन करके (घ) विरासत में मिली संस्कृति से

(iv) संस्कृति के संदर्भ में कौन सी बात लागू नहीं होती - **1**

(क) संस्कृति का सभ्यता से घनिष्ठ संबंध है ।

(ख) संस्कृति और सभ्यता का अर्थ एक ही है ।

(ग) संस्कृति साधना है ।

(घ) संस्कृति अच्छी और बुरी दोनों हो सकती है ।

(v) 'आनंद' शब्द का वर्ण - विच्छेद होगा - **1**

(क) आ + न् + न् + अ +द + अ (ख) अ + आ् + न् + ड + द् + अ

(ग) आ + न् + न् + द् + अ (घ) आ + न् + अ + न् + द् + अ

2. अपठित गद्यांश - 5

प्रकृति बासी फूलों से अपना श्रृंगार नहीं करती उसे नवीनता लाने के लिए परिवर्तन चाहिए। प्रकृति की भाँति हम भी हर क्षण नूतनता में जीना चाहते हैं। सब्जियाँ बदल - बदल कर खाना, कपडे बदल - बदल कर पहनना, नित्य नए - नए लोगों से मिलना एवं बातें करना हमें बहुत अच्छा लगता है। परिवर्तन एवं नूतनता के इसी बदलाव के साथ - साथ हम वानर वर्ग से मानव वर्ग की यात्रा कर चुके हैं। एक समय था कि मानव ने बुद्धि के विकास के साथ - साथ अपने तन को ढकने के लिए पेड़ों की छाल एवं पत्तों का सहारा लिया था। मानव ने अपने तन पर वस्त्र धारण करके अपने को ठंड - गर्मी से ही नहीं बचाया बल्कि अन्य प्राणियों से भी अपने को सभ्य एवं तटस्थ दिखाया। परंतु यह क्या ? परिवर्तन के साथ - साथ वस्त्रों ने भी सिकुड़ना शुरु कर दिया है। प्रश्न यह उठता है कि वस्त्र तन को दिखाने के लिए हैं या ढकने के लिए ? कहीं अधिक विकसित दिखाने की अपेक्षा पुनः हमारा पलायन वानर सभ्यता की ओर तो नहीं है? उत्तर न मिलने तक परिवर्तन का प्रत्येक कदम सारहीन ही माना जाएगा ।

उपर्युक्त गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए -

(i) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है - 1

(क) वस्त्र (ख) यात्रा

(ग) परिवर्तन का कदम (घ) वानर

(ii) 'प्रकृति' में परिवर्तन होता है - 1

(क) नूतनता के लिए (ख) पुरानता के लिए

(ग) समता के लिए (घ) सफलता के लिए

(iii) मानव ने अपने तन पर वस्त्रों को पहनना शुरु किया था - 1

(क) ठंड - गरमी से बचने के लिए (ख) तन को दिखाने के लिए

(ग) दोनों के लिए (घ) इनमें से कोई नहीं

(iv) पाश्चात्य शैली के अनुकरण का क्या प्रभाव पड़ रहा है ? 1

(क) विकसित दिखाने की दोड़ में वस्त्रों का आकार छोटा होता जा रहा है ।

(ख) वस्त्र का पहनना सार्थक प्रतीत हो रहा है ।

(ग) हम सभ्यता की होड में आगे बढ़ रहे हैं ।

(घ) उपर्युक्त तीनों कथन सत्य हैं ।

(v) सब्जियाँ बदल - बदल कर खाना, कपड़े बदल - बदल कर पहनना, नए - नए लोगों से बात करना किस बात का द्योतक है ? 1

(क) परिवर्तन का (ख) नवीनता का

(ग) दोनों का (घ) इनमें से कोई नहीं ।

3. अपठित काव्यांश - 5

फूलों को पाने से पहले, शूलों को अपनाना है ।
सहज नहीं फूलों को पाना, पहले काँटे चुभते हैं ।
कठिन राह में चलने से ही, पग में छाले दुःखते हैं ।
मोती के लिए समुंदर में, तुमको गोता खाना है ।
फूलों को पाने से पहले, शूलों को अपनाना है ।।
मंजिल तक जाने के पहले, पग - पग पर बाधाएँ हैं
एक नहीं जाने कितनी ही, खड़ी हुई विपदाएँ हैं ।
उन्हें रौंदकर आगे बढ़कर भय को दूर भगाना है
फूलों को पाने से पहले शूलों को अपनाना है
गिरना और संभल कर बढ़ना, साहस का साथ निभाना
विजय चाहते हो जीवन में दृढ़ता से बढ़ते जाना
हार नहीं सकता वह जिसने सीखा नित मुसकाना है
फूलों को पाने के पहले, शूलों को अपनाता है ।

उपर्युक्त काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए -

(i) पग में धाले कब दुखते हैं ? 1

(क) पत्थरों की राह पर चलने से (ख) कॅटीली डगर पर चलने से
(ग) कठिन राह पर चलने से (घ) ऊबड़ - खाबड़ रास्तों पर चलने से

(ii) जीवन में किसकी हार नहीं होती ? 1

(क) साहस के साथ जीने वालों की (ख) ढृढ़ता से आगे बढ़ने वालों की
(ग) खुश रहने वालों की (घ) उपर्युक्त सभी

(iii) फूलों से पहले सामना करना पड़ता है - 1

(क) माली का (ख) भँवरों का
(ग) कॉटों का (घ) कलियों का

(iv) मनुष्य को सफलता पाने से पहले सामना करना पड़ता है - 1

(क) कष्टों का (ख) बाँधाओं का
(ग) दोनों का (घ) किसी का नहीं

(v) कवि लक्ष्य बिंदु की ओर बढ़ते हुए किसे रौंदने की बात कहता है - 1

(क) मंजिलों को (ख) विपदाओं को
(ग) मिट्टी को (घ) काँटों को

4. अपठित काव्यांश - 5

नीलांबर परिधान हरित तट पर सुंदर है,
सूर्य चंद्र युग मुकुट, मेखला रत्नाकर हैं
नदियाँ प्रेम प्रवाह, फूल तारे मंडल हैं
बंदीजन खग - बृंद, शेषफन सिंहासन है
करते अभिषेड पयोद हैं, बलिहारी इस वेश की
है मातृभूमि तू सत्य ही, सगुण मूर्ति सर्वेश की ।
जिसकी रज में लोट - लोट कर बड़े हुए हैं।
घुटनों के बल सरक - सरक कर खड़े हुए हैं
परमहंस सम बाल्य काल में सब सुख पाए
जिसके कारण धूल भरे हीरे कहलाए
हम खेले कूदे हर्षयुत, जिसकी प्यारी गोद में
हे मातृभूमि तुझको निरख, मग्न क्यों न हो गोद में
पाकर तुझसे सभी सुखों को हमने भोगा
तेरा प्रत्युपकार कभी क्या हमसे होगा ?
तेरी ही यह देह तुझी से बनी हुई है
बस तेरे ही सरस सार से सनी हुई है
फिर अंत समय तू ही इसे अचल देख अपनाएगी
हे मातृभूमि यह अंत में, तुझमें ही मिल जाएगी

उपर्युक्त काव्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए -

(i) उपर्युक्त काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक है - 1

(क) नदियाँ (ख) सूर्य और चन्द्रमा

(ग) आकाश (घ) मातृ भूमि

(ii) मातृ भूमि का मुकुट सुशोभित है - 1

(क) हीरे से (ख) मोती से

(ग) समुद्र से (घ) सूर्य और चन्द्रमा से

(iii) बाल्यकाल की तुलना की गई है - 1

(क) परमहंस से (ख) धूल से

(ग) हरियाली से (घ) फूलों से

(iv) मातृ भूमि की वेश भूषा का स्वागत कौन करते है ? **1**

(क) बादल (ख) पर्वत

(ग) नदियाँ (घ) समुद्र

(v) कवि अचल देख अपना किसको अपनाने की बात करता है ? **1**

(क) नदियों को (ख) मृत शरीर को

(ग) पर्वतों को (घ) फूल और तारों को

## खंड 'ख'

**5.** (i) 'घृणा' शब्द का सही वर्ण विच्छेद है - **1**

(क) घ् + र् + ण् + आ (ख) घ् + ऋ + ण् + आ

(ग) घ् + र + इ + ण् + आ (घ) घ् + अ + ऋ + ण् + आ

(ii) 'शंकु' शब्द का सही वर्ण विच्छेद है - **1**

(क) श् + अ + न् + क् + उ (ख) श् + अ् + ङ् + क् + उ

(ग) श् + अ + ड + क् + ऊ (घ) श + ङ + क् + उ

(iii) 'दृश्य ' शब्द का वर्ण - विच्छेद है - **1**

(क) द् + र् + अ + श् + य् + अ (ख) द् + ऋ + श् + य् + अ

(ग) द् + अ + ऋ + श् + य् + अ (घ) द् + अ + र + अ + श् + य् + अ

(iv) 'तरङ्ग' शब्द का मानक रुप है - **1**

(क) तुरंग (ख) तंरग

(ग) तरंग (घ) तरँग

**6,** (i) नीचे दिए गए शब्दों में अनुनासिक शब्द है ? **1**

(क) कहीं (ख) अँगुली

(ग) हैं (घ) तीनों अनुनासिक हैं

(ii) सही नुक्ता वाला शब्द है - **1**

(क) नुकसान (ख) फ़लक

(ग) दोनों (घ) इनमें से कोई नहीं

(iii) 'प्रारंभ' शब्द में उपसर्ग है - **1**

(क) प्र (ख) प्रा

(ग) आरंभ (घ) प्रारम्

(iv) 'प्रकृति' शब्द में उपसर्ग एवं मूल शब्द है - 1

(क) प्र, कृति (ख) प्रा, कृति

(ग) प्रकृत, इ (घ) प्राक , ति

7. (i) 'वाहक ' शब्द में मूल शब्द एवं प्रत्यय है - 1

(क) वाहन, अक (ख) वहन, अक

(ग) वा, हक (घ) वाह, क

(ii) 'मौलिक' शब्द में मूल शब्द है - 1

(क) मोल (ख) मौल

(ग) मूल (घ) मोली

(iii) 'राक्षस' शब्द का पर्याय है - 1

(क) दनुज (ख) मनुज

(ग) सहचर (घ) उपर्युक्त सभी

(iv) 'ध्वज' शब्द का पर्याय नहीं है - 1

(क) केतु (ख) निशान

(ग) पताका (घ) तुहिन

8. (i) 'आपूर्ति' शब्द का विलोम है - 1

(क) अनवरत (ख) अभाव

(ग) भाव (घ) स्पूर्ति

(ii) 'भयानक' का विलोम है - 1

(क) खतरनाक (ख) मनमोहक

(ग) मनोहर (घ) मन मोहन

(iii) 'चारा' शब्द का अनेकार्थक शब्द है - 1

(क) घास (ख) उपाय

(ग) दोनों (घ) इनमें से कोई नहीं

(iv) 'पद' शब्द का अनेकार्थक शब्द नहीं है - 1

(क) पैर (ख) स्थान

(ग) छंद का एक भाग (घ) तीनों अनेकार्थी हैं

9. (i) 'अच्छे कुल से संबंधित' वाक्यांश के लिए एक शब्द होगा - 1

(क) कुलीन (ख) संभ्रांत

(ग) दोनों (घ) इनमें से कोई नहीं

(ii) 'संश्लेषण' के लिए वाक्यांश है - 1

(क) अलग करना (ख) मिलान करना

(ग) ऊपर फेंकना (घ) दबाकर रखना

(iii) छात्रों ने परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करके अपने शिक्षक का -------- कर दिया 1

(वाक्य की पूर्ति के लिए उचित मुहावरा होगा )

(क) सिर नीचा करना (ख) आसन ऊँचा करना

(ग) काम तमाम करना (घ) प्रसन्न करना

(iv) 'जिसके समान कोई दूसरा न हो' वाक्यांश के लिए उचित मुहावरा है - 1

(क) मंत्र - मुग्ध होना (ख) सूरज न डूबना

(ग) जोड़ न होना (घ) बेल - बढ़ाना

## खण्ड 'ग'

10. नीचे दिए गए किसी एक काव्यांश के प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए - 5

रहिमन धागा प्रेम का, मत तोड़ो चटकाय ।
टूटे से फिर ना मिले, मिले गाँठ परिजाय ॥
बिगरी बात बने नहीं, लाख करो किन कोय ।
रहिमन फाटे दूध को, मथे न माखन होय ॥

(i) कवि ने धागा कहा है - 1

(क) शिष्यों को (ख) स्वयं को

(ग) परिवार के लोगों को (घ) प्रेम को

(ii) कवि का संदेश है - 1

(क) बात बिगड़ने पर बनाने की कोशिश मत करो (ख) प्रेम से रहो और बात बिगड़ने मत दो

(ग) प्रेम से रहो (घ) बात बिगड़ने दो

(iii) बात बिगड़ने के बाद - 1

(क) लाख कोशिश करने पर भी नहीं बनती है । (ख) फिर से वैसे ही बन जाती है ।

(ग) दोनों कथन सत्य हैं । (घ) कोई भी कथन सत्य नहीं है ।

(iv) प्रेम भावना को न तोड़ने में ही भलाई है क्यो कि - **1**

(क) वापस प्रेम होने पर पहले वाली बात नहीं रहती ।

(ख) प्रेम टूटने पर वापस नहीं जुड़ता

(ग) दोनों कथन सत्य हैं ।

(घ) सत्य कुछ और ही है ।

(v) फटा हुआ दूध है - **1**

(क) बिगड़ी बात के समान (ख) बनी हुई बात के समान

(ग) दोनों के समान (घ) किसी के समान नहीं

अथवा

दुनिया में बादशाह है सो है वह भी आदमी
और मुफ़लिस - ओ - गदा है सो है वह भी आदमी
जरदार बे नवा है सो है वह भी आदमी
निअमत जो खा रहा है सो है वह भी आदमी
टुकड़े चबा रहा है सो है वह भी आदमी

(i) सही कथन है - **1**

(क) आदमी अच्छा भी कर रहा है और बुरा भी ।

(ख) प्रत्येक आदमी एक - सा नहीं होता है ।

(ग) आदमी ने आदमियत खोकर अपनी पहचान पर अंकुश लगाया है ।

(घ) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं ।

(ii) 'मुफ़लिस' से आशय है - **1**

(क) गरीब (ख) भोजन

(ग) अमीर (घ) मंत्री

(iii) कविता का मूलभार है - **1**

(क) आदमी अच्छे काम करता है । (ख) आदमी बुरे काम करता है ।

(ग) आदमी कोई काम नहीं करता । (घ) आदमी अच्छे और बुरे दोनों प्रकार के काम करता है ।

(iv) ज़रदार कहा गया है - **1**

(क) ज़मीदार को (ख) इज़्जतदार को

(ग) गरीबों को (घ) अमीरों को

(v) आवृत्ति कली पंक्ति है - **1**

(क) खा रहा है (ख) चबा रहा है

(ग) मुफ़लिस-ओ-गदा है (घ) सो है वो भी आदमी

**11.** किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए - **2.5+2.5=5**

(क) कर्नल खुल्लर की प्रसन्नता को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए ।

(ख) दुःख का अधिकार किसे है और किसे नहीं ? स्पष्ट कीजिए ।

(ग) मिट्टी और धूल में अंतर है लेकिन उतना ही जितना शब्द और रस में, देह और प्राण में लेखक के निहित भाव को स्पष्ट कीजिए ।

(घ) 'सूतक' से आप क्या समझते हैं ? गरीबों के लिए इसके क्या मायने हैं ? 'दुःख का अधिकार' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

**12.** लेखक ने आज की नगरीय व्यवस्था पर जो व्यंग्य किया है, उसे कारण सहित स्पष्ट कीजिए । **5**

अथवा

"बचेंद्री की एवरेस्ट यात्रा से बने कीर्तिभान में अन्य सहयोगियों की भी भूमिका रही थी ।" कथन के पक्ष या विपक्ष में उदाहरण सहित टिप्पणी कीजिए ।

**13.** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए - **5**

अरे भाई, उनके लिए मरे - जिए का कोई मतलब न हो पर दूसरे के धर्म - ईमान का तो खयाल करना चाहिए। जवान बेटे के मरने पर तेरह दिन का सूतक होता हैं और वह यहाँ आकर सड़क पर खरबूजे बेचने बैठ गई है। हज़ार आदमी आते-जाते है। क्या कोई जानता है कि इसके घर सूतक है। कोई इसके खरबूजे खा ले तो उसका ईमान - धर्म कैसे रहेगा ? क्या अँधेर है ।

(i) लेखक ने समाज पर क्या व्यंग्य किया है ? **2**

(ii) जवान व्यक्ति के मरने पर कितने दिन का सूतक जाता है ? **1**

(iii) लालाजी खरबूजे वाली को देखकर धर्म - ईमान के भ्रष्ट होने की बात क्यों करने लगे ? **2**

अथवा

हमारी देश भक्ति धूल को माथे से न लगाए, तो कम से कम उस पर पैर तो रखे। किसान के हाथ - पैर, मुँह पर छाई हुई यह धूल हमारी सभ्यता से क्या कहती है? हम काँच को प्यार करते हैं। धूल भरे हीरे में धूल ही दिखाई देती है । भीतर की कांति आँखों से ओझल रहती है लेकिन ये हीरे अमर हैं और एक दिन अपनी अमरता श प्रमाण भी देंगे। अभी तो उन्होंने अटूट होने का प्रमाण दिया है -'हीरा वही घन चोट न टूटे '।

(i) लेखक समाज के किस वर्ग का समर्थन करता है ? **1**

(ii) लेखक ने हीरे और काँच की चर्चा करके क्या समझाना चाहा है ? **2**

(iii) 'हीरा वही घन चोट न टूटे।' में हीरे की कौन - सी विशेषता इंगित होती है ? **2**

**14.** (क) दो आदमियों के एक - एक विपरीत कार्य लिखिए । **1**

(ख) रैदास ईश्वर को किन - किन नामों से पुकारते हैं । **2**

(ग) मोती, मानस, चून के संदर्भ में पानी का आशय स्पष्ट कीजिए । **2**

15. 'कितने अच्छे थे वे दिन।' लेखक किन दिनों को और क्यों अच्छा मानता है ? 3

अथवा

सोन जुही की लता के नीचे बनी गिल्लू की समाधि से लेखिका के मन में किस विश्वास का जन्म होता है ?

16. कल्लू कुम्हार का नाम उनाकोटी से किस प्रकार जुड़ गया ? संक्षेप में बताइए 2

## खण्ड - 'घ'

17. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए 5

(क) संगणक - आज की आवश्यकता

- परिचय
- संगणक का प्रयोग
- संगणक से लाभ
- सावधानियाँ

(ख) समाचार - पत्र और हम

- समाचार का आशय
- हिंदी समाचार - पत्रों के उदाहरण
- समाचार पत्रों का महत्व
- विद्यार्थियों के लिए सामग्री

(ग) हमारे बुजुर्ग - हमारी धरोहर

- बुजुर्ग से आशय
- बुजुर्गों की वर्तमान स्थिति
- पीढ़ी - अंतराल में बुजुर्गों के प्रति दायित्व
- वृद्धाश्रम

18. बड़ी बहन के विवाह पर बुलाने के लिए अपने मित्र को एक पत्र लिखिए। 5

अथवा

अपने जन्म दिन पर पेड़ों के लाभ बताते हुए पेड़ लगाने का अनुरोध करते हुए अपने छोटे भाई को एक पत्र लिखिए।

- o O o -